अरस्तु ने कहा था की इस दुनिया में सब कुछ **संगेयेवाद का आपवाद है** अर्थात् **कुछ भी इस्थिर नहीं है**। **पवित्र ग्रन्थ गीता के अनुसर उसकी मृत्यु तय है**। जो इन्सान रोक नहीं सकता दुनिया में ऐसे घटना होती रहती है पर **कुछ मौते इन्सान और मानवता को झकझोर कर रख देती है**। आएये हम इस अपील में **ऐसी ही मौत** को देखेगे जो **एक नन्हे से जान के लिए संघर्ष** बन गया।

आयन उद्दीन, जिसे उसकी माँ प्यार से **आयन** पुकारती थी। **आयन है आपने सही सुना आयन नाम है इस बच्चे ने** जब जनम लिया **एक वर्ष के बाद उसके पिता की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी**। तब से इसका **लालन पालन इसकी माँ अंजुम बनो** कर रहे थी।

पर **अंजुम के लिए आसन नहीं था**, उसने आपने जीवन के लिए एक साथी चुना परन्तु वह भी उसके साथ नहीं रहा। अंतत: **अंजुम बनो फिर अपने जीवन के सफ़र में आयन के साथ अकेले थी** और चल रही थी।

वक़्त का पहिया चलता गया और अंजुम ने अपने जीवन की शुरुआत के लिए नया जीवनसाथी चुनी जिसका नाम **रब्बनी** था। **रब्बनी और अंजुम एकसाथ जीवन का सफ़र की शुरुआत वर्ष 2023 में की थी**, तब से आयन को जीवन जीने के लिए **माँ और बाप दोनों मिल गया था**।

आयन अपने रस्ते अडिग था, पढाई को लेकर अकरिये था। एक ऐसे माहोल के जहा बच्चे आवारा हो जाते है या बड़े बाप के बिगड़े औलाद हो जाते है और बच्चे बिगड़ जाते है, **पर आयन की लगन और मेहनत** ने उसे **सैनिक स्कूल पर्वेश परीछा 2025 में 89% अंक के साथ सैनिक स्कूल में परवेश** दिलाया।

यह पल अंजुम के लिए बहुत हे खुशनुमा था। अंजुम इस पल को याद करके आपने घर परिवार सभी को बता कर खुश थी, **परन्तु यहाँ ख़ुशी जादा दिनों तक नहीं टिक पाई**।

आयन का दाखिला सैनिक स्कूल कोडरमा में करवाने के बाद अंजुम के जीवन में खुशिया दस्तक दी थी, परन्तु वह **ख़ुशी की दिवार कुदरत ने रेत पर बनाया था**। वह आचानक से बीमार हुई और उसे **हाई बीपी के साथ ब्लड कैंसर का रिपोर्ट आया और वह भी फोर्थ स्टेज का**।

इस हालत को अंजुम झेल नहीं सकी और **24 अगस्त 2025 को अंजुम ने आपने जीवन का अंतिम सांसे लिया**।

अब **आयन एक बड़े मजधार में खड़ा था** जहा **पिता न माता**, परिवार में **नाना नहीं**, **मामा अपने ही जीवन में मशगूल**, **नानी अकेली बूढी और लाचार**। **कोई आयन को उसके बेहतर जीवन के लिए पढ़ने को तैयार नहीं है**।

ऐसे इस्तिथि में **एक ऐसे होनहार बच्चा** जो आपने जीवन की बिबीधता को बड़े करीब से देख रह था और **माँ के खोने और पिता के गम के साथ सैनिक स्कूल तिलैया में बड़े सीदत के साथ पढ़ रहा है**।

मुझे जब इसकी जानकारी मिली और इस बच्चे की **मुलभुत समस्या** के पल मैं अबगत हुआ तब मुझ से रहा नहीं गया। **मैं वक्तिगत रूप से उस बच्चे की पूरी तरह मदद करने में साक्षम नहीं हु**, पर **उस बच्चे के लिए मेरी कलम रुकनी नहीं चाहिए**।

मैं उसके जीवन के दर्द को **एक झलक आपके बिच इस उम्मीद से रख रहा हु** की आप इस बच्चे की **पढ़े के लिए उसे उसके वक्तिगत खाते में आर्थिक सहायता प्रदान करे** और **आपनी एक छोटी जानकारी हमारे साथ साझा करे** ताकि मैं उसे आप से मिलवा सकू।

आपका आर्थिक सहियोग एक नए भविष्य के निर्माण में सहियोगी होगा, जो उसके **स्कूल के फी और उसकी पढाई सुनिश्चित करेगी**।

आयन की पढाई की वार्षिक 220000/- (दो लाख बीस हजार रुपये) की खर्च आती है और वह **6 वर्ष तक सैनिक स्कूल में पढाई करेगा**।

मै ये नहीं कहूँगा की आप दान देंगे तो आपको उपर वाला देगा, पर **मैं ये कहूँगा की आप आपने पैसे से एक बेहतर भविष्य का निर्माण करेंगे**।

हम यहाँ **आयन का खाता नंबर साझा कर रहे है** जिसका उपयोग आप उस बच्चे के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए कर सकते है—

Account Number: 44227891843
IFSC Code: SBIN0015803
Branch: BONGA